Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding fishermen of Palghar languishing in Pakistan jails.

श्री राजेन्द्र धेड्या गावित (पालघर): सभापति महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र में 42 खलासी आदिवासी मछुअ पिछले 3 महीने से लापता हैं। गुजरात में अधिक मजदूरी मिलने के कारण गुजरात में जो ओखा औ पोरबन्दर है, वहां से पालघर के तलासरी, दहाण और पालघर विक्रमगढ़ तालुका के काफी आदिवासी युव मछली पकड़ने के लिए गुजरात जाते हैं। गुजरात में पाकिस्तानी बॉर्डर पर, अशिक्षित होने के कारण गलती पाकिस्तानी सीमा के आगे जाने के कारण, पाकिस्तान सीमा पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

सभापति महोदय, 347 भारतीय कैदी अभी भी लांधी जेल, करांची में हैं। वे वर्ष 2017 से जेल में हैं। जे की अवधि पूरी होने के बावजूद भी भारतीय कैदी को रिहा नहीं किया जाता। पाकिस्तान सरकार ने भारती कैदियों की राष्ट्रीयता की पुष्टि भी की है। लेकिन, भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय समझौते के अनुसार उन्हें रि नहीं किया जाता। जेल में बंद कम से कम 8 कैदी मेरे मतदार संघ के हैं। गुंडनपाड़ा, तलासरी से पालघर, मेरा निर्वाचन क्षेत्र है, जानकारी के अनुसार भारत के कुल 608 कैदी अभी भी पाकिस्तान जेल में हैं। इनमें 347 कैदी अपनी जेल सजा पूरी कर चुके हैं।

सभापति महोदय, ऐसा ही एक इंसिडेंट 6 नवम्बर को हुआ था। श्रीधर चामड़े की पाकिस्तान समु सुरक्षा एजेंसी ने ओखा और पोरबन्दर के पास गोली मारकर हत्या कर दी थी। मैं आपके माध्यम से फॉरे मिनिस्टर की से रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि 42 खलासी आदिवासी मछुआरों के बारे में पाकिस्तान सरक से बातचीत करके शीघ्रातिशीघ्र पता लगाया जाए और आदिवासियों को न्याय दिलाया जाए।